VISION IAS

11 SEP 2019

www.visionias.in

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1244)

Name of Candidate	Dinesh Kumar		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	58740
Center	MP	Date	11-09-19

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. Discuss the need of an Independent Fiscal Council (IFC) in bringing about transparency and accountability in fiscal processes in India. **(150 words) 10**

भारत में राजकोषीय प्रक्रियाओं में पारदर्शिता और जवाबदेही का समावेश करने हेतु एक स्वतंत्र राजकोषीय परिषद (IFC) की आवश्यकता की चर्चा कीजिए।

भारत में राजकोषीय घाटे की स्थिति को नियंत्रित करने तथा आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा देने हेतु स्वतंत्र राजकोषीय परिषद महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

→ वर्तमान में एफआरबीएम अधिनियम (FRBM)-2003 यद्यपि चालू खाता घाटा एवं राजकोषीय घाटे को 0 प्रतिशत एवं 3 प्रतिशत पर निर्धारित करता है परन्तु पूर्णतः इसका क्रियान्वयन नहीं हो पाया है।

पारदर्शिता का समावेश :-

→ IFC लोकलुभावन नीतियों से स्वतंत्र होकर राज्य की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए निर्णय लेगी।

→ इसके निर्णय पारदर्शी तरीके से होंगे फलतः जवाबदेहिता बढ़ेगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ यह आयात-निर्यात, विदेशी निवेश, मुद्रा का बहिर्प्रवाह आदि को ध्यान में रखते हुए सरकार को सुझाव देगा ताकि अपव्ययों से बचा जा सके।

~~अब~~ जवाबदेहिता का समावेश :-

→ IFC को भी RBI की तर्ज पर लगातार तीन तिमाही तक वांछित परिणाम प्राप्त नहीं होने पर सरकार को जवाब देना होगा।

→ IFC चूंकि विशेषज्ञ शामिल होंगे अतः अर्थव्यवस्था के सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए राजकोषीय बजट का ~~समीक्ष~~ संतुलन रखा जाएगा।

→ सरकार भी IFC पर अपनी सीमाओं के चलते दबाव नहीं डाल पाएगी अतः IFC पूर्ण जवाबदेह होकर अर्थव्यवस्था के हित में जिम्मेदारी से कर्तव्यों का निर्वहन करेगा

अतः IFC की आवश्यकता सरकार की वित्तीय स्थिति की मजबूती के लिए आवश्यक है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Recognizing the potential of exports in generating employment, a number of steps need to be taken to address India's weakening export competitiveness. Analyze. **(150 words) 10**

रोजगार सृजन हेतु निर्यात क्षेत्र की क्षमताओं की पहचान करते हुए, भारत की कमजोर होती निर्यात प्रतिस्पर्धा को संबोधित करने हेतु कई कदम उठाए जाने की आवश्यकता है। विश्लेषण कीजिए।

निर्यात क्षेत्र आज भी भारत में क्षमता से कम रोजगार सृजित कर रहा है।

निर्यात क्षेत्र की क्षमताए :-

→ यह क्षेत्र 40% योगदान MSME क्षेत्र से प्राप्त करता है। इन क्षेत्रों में रोजगार सृजन की अपार संभावनाए है।

→ भारत का विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) अपनी क्षमता से कम उपयोग में आ रहा है। कुल 335 SEZ में से 223 ही संचालित है। यहां व्यापक रोजगार उत्पन्न हो सकता है

→ विदेश व्यापार नीति (2015-20) का क्रियान्वयन सफल नहीं हो पाया है। इससे रोजगार भी मांग में पैदा किया जाता।

→ सरकार को उत्पाद विविधिकरण, गंतव्य विविधीक

आदि का परिचालन सुचारु रूप से नहीं कर पाई।

निर्यात प्रतिस्पर्धा हेतु आवश्यक कदम

→ SEZ में अपेक्षित सुधार होने चाहिए। बाबा कल्याणी समिति की सिफारिशें लागू हो।

→ EXIM बैंक निर्यात इकाईयों को विशेष प्रोत्साहन देकर उन्नत बनाए।

→ MSME क्षेत्र को मजबूत किया जाए।

→ वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी देशों से निपटने हेतु सरकार सब्सिडी, ऋण, निर्यात सुविधाएं आदि प्रदान करें। जैसे - अफ्रीका, मध्य एशिया में।

→ सरकार व उद्यमियों के बीच निर्यात अनुकूल नीति हेतु पारस्परिक वार्ता हो। कस्टम क्लियरेंस तुरन्त मिले।

→ जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट उत्पादों पर जोर दिया जाए।

अतः संस्थागत व कार्यान्वयन स्तर पर सुधार करके भारत के निर्यात को बेहतर बनाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Highlighting the main features of National Mineral Policy, 2019, discuss how it can help in ensuring sustainable and responsible mining.

(150 words) 10

राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019 की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए, चर्चा कीजिए कि यह संधारणीय और उत्तरदायित्वपूर्ण खनन सुनिश्चित करने में कैसे सहायता कर सकती है।

राष्ट्रीय खनिज नीति, 2019, राष्ट्रीय खनिज नीति-2008 को प्रतिस्थापित करेगी तथा सभी हितधारकों को सम्बोधित करती है।

विशेषताएं

→ खनिज को 'उद्योग' का दर्जा प्रदान करती है।
→ निजी क्षेत्र को बढ़ावा देती है।
→ जिला खनिज कल्याण निधि का उपयोग खनिज प्रभावितों के हित करने हेतु प्रभावी उपाय करती है
→ संधारणीय खनिज तंत्र का प्रावधान करती है।
→ खदान लाइसेंस प्रक्रिया को उदार बनाया गया है।
→ विशेष खनिज क्षेत्र (EMZ) का प्रावधान करती
→ उद्योग-अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देती है।
→ खनिज लीज धारकों को पट्टे आदि की व्यवस्था पारदर्शी बनाती है।
→ अंतर पीढ़ीगत समता की बात करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

संधारणीय व उत्तरदायित्व खनन की सुनिश्चितता

→ इसमें पर्यावरण अनुकूल प्रावधान है ताकि खनिजों से खनन श्रमिकों, आस-पास के लोगों को कोई हानि न हो।

→ इसमें अंतर-पीढ़ीगत-समता का प्रावधान है जो भावी पीढ़ियों की आवश्यकता को ध्यान में रखता है।

→ संलग्न श्रमिकों का कल्याण 'जिला खनिज कल्याण निधि' से होगा।

→ खनन श्रमिकों के लिए बीमा का प्रावधान भी है।

→ यह सभी पर्यावरणीय मानकों यथा NGT, वन संरक्षण कानून, 2006 आदि के अनुकूल ही क्रियान्वित होगी।

अतः इस नीति से उत्तरदायित्व के साथ ही संधारणीय खनन सुनिश्चित होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Highlighting the salient features of the PM JI-VAN Yojana, analyze how it can assist in achieving the vision and goals of the National Policy on Biofuels, 2018. **(150 words) 10**

"प्रधानमंत्री जी-वन योजना" की मुख्य विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए, विश्लेषण कीजिए कि यह जैव ईंधन राष्ट्रीय नीति, 2018 की दृष्टि और लक्ष्यों को प्राप्त करने में किस प्रकार सहायक हो सकती है।

प्रधानमंत्री जी-वन योजना :-

→ यह वन क्षेत्रों के उत्पादों एवं अन्य जैव पदार्थों को कच्चे माल के रूप में जैव ईंधन हेतु प्रोत्साहित करती है।

→ इसमें अप्रयुक्त एवं बंजर भूमि का उपयोग जैव-ईंधन उगाने हेतु किया जाएगा।

→ आदिवासियों को वन-उत्पादों का मूल्य दिलाते हुए आय के वृद्धि की बात करती है।

→ इसमें रतनजोत, मक्का, गन्ना आदि को शामिल किया गया है।

जैव-ईंधन राष्ट्रीय नीति - 2018 के अनुरूप

→ यह नीति जैव-ईंधन को बढ़ावा देती है तथा इसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मानती है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ प्रधानमंत्री जी-वन योजना के उत्पाद इस नीति में कच्चे माल के रूप में एवं पर्याप्त उपलब्धता के साथ सहायता करेगी।

→ यह पर्यावरण अनुकूल ईंधन बनाएगी वहीं सहायक के रूप में बाजार भी उपलब्ध कराएगी।

→ ये योजना व नीति परस्पर पूरक हैं तथा एक-दूसरे को लिंक करते हैं।

अतः जी-वन योजना का लाभ जैव-ईंधन नीति को प्राप्त होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Zero Budget Natural Farming (ZBNF) provides an alternative to capital and chemical intensive agriculture currently being practiced in India. Analyze. **(150 words) 10**

जीरो बजट प्राकृतिक कृषि (ZBNF), भारत में वर्तमान समय में प्रचलित पूंजी और रसायन गहन कृषि का एक विकल्प प्रदान करती है। विश्लेषण कीजिए।

जीरो बजट प्राकृतिक कृषि (ZBNF) से तात्पर्य है कि बिना रासायनिक उर्वरकों के स्थानीय जैविक खाद के आधार पर कृषि करना।

वर्तमान कृषि का विकल्प

→ वर्तमान कृषि में लागत ज्यादा है। उर्वरक महंगे है तथा बीज भी महंगे उपलब्ध है। इस कारण अपेक्षित लाभ नहीं मिल पाता है। जबकि ZBNF लागत को शून्य करती है केवल स्थानीय स्तर पर उपलब्ध बीज को प्रयोग में लाती है।

→ ZBNF में कम पानी की जरूरत है क्योंकि रासायनिक किसे ज्यादा सिंचाई आवश्यक मानती है। अत: भारत जैसे कम वर्षा वाले क्षेत्र में यह अच्छा विकल्प है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ ZBNF पर्यावरण - अनुकूल है। इससे न तो मृदा प्रदूषण होता है और न ही जल प्रदूषण। अतः वर्तमान कृषि से बेहतर है।

→ यह भूमि की उर्वरा शक्ति को बनाए रखती है स्थानीय गोबर खाद को प्रयोग में लाती है। इस कारण स्वयं पर ही निर्भर है।

→ ZBNF भारत के उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, कम वर्षा वाले क्षेत्र में बेहतर साबित होगी क्योंकि वहां आवश्यक स्थानीय परिस्थितियां उपलब्ध हैं।

→ लघु व सीमांत किसानों के लिए ज्यादा आकर्षक है।

→ ZBNF उत्पादों की 'ब्रांडिंग' करके जैविक उत्पाद के तौर निर्यात हो सकता है।

यद्यपि ZBNF की उत्पादकता कम है परन्तु इसमें सुधार करके शनैः शनैः इसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Marine life is facing 'irreparable damage' from the millions of tonnes of plastic waste which ends up in the oceans each year. In this context, examine the implications of plastic pollution on marine ecosystem and suggest some measures for addressing this problem. **(150 words) 10**

समुद्री जीवन, प्रति वर्ष समुद्र में पहुँचने वाले लाखों टन प्लास्टिक कचरे के कारण 'अपूरणीय क्षति' का सामना कर रहा है। इस संदर्भ में, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र पर प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव का परीक्षण कीजिए और इस समस्या के समाधान हेतु कुछ उपाय सुझाइये।

प्लास्टिक कचरे से समुद्री मछलियां व अन्य जीव मृत्यु को प्राप्त कर रहे है। इससे समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा है। उदा० — पेसिफिक गारबेज

→ यह क्षति अपूरणीय है क्योंकि उन प्लास्टिक के कारण खराब हुए समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र को आसानी से ठीक नहीं किया जा सकता।

<u>प्लास्टिक प्रदूषण का प्रभाव</u>

→ समुद्री जीव-जन्तु इसे निगल जाते है। इससे वे मृत्यु को प्राप्त हो जाते है।

→ इन मछलियों का प्रयोग करने पर मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है
उदा० — मिनामाटा दुर्घटना (जापान)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ इससे समुद्री बीच (तट) पर कचरा जमा हो जाता है। वे पर्यटन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करते है।

→ समुद्री कचरा समुद्री नौवहन की दुर्घटना का कारण बन सकता है।

→ समुद्री खाद्य श्रृंखला परिवर्तित हो सकती है जिसके गंभीर परिणाम होंगे।

समाधान

→ प्लास्टिक को धीरे-धीरे पूर्णतः प्रतिबन्धित करना चाहिए।

→ जनता को इसका प्रयोग न करने हेतु जागरूक किया जाए।

→ 'ब्लू फ्लेग सर्टिफिकेशन' जैसे कार्यक्रमों को प्रोत्साहन देकर सभी समुद्री बीचों की सफाई हो।

→ वैश्विक स्तर पर आम सहमति बने तथा प्रभावी रणनीति बनाई जाए।

अतः सरकार व जनता दोनों मिलकर इस समस्या का हल निकाल सकते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. Write a short note on the evolution of Bharat Stage norms in India. Also discuss the significance and challenges posed by the planned introduction of BS-VI norms in India from the year 2020. **(150 words) 10**

भारत में भारत स्टेज मानकों के विकास पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। साथ ही, वर्ष 2020 से भारत में BS-VI मानकों को योजनाबद्ध रूप से लागू किए जाने के महत्व और उसमें आने वाली चुनौतियों की भी चर्चा कीजिए।

भारत स्टेज - VI मानक यूरो मानक-VI की तर्ज पर उच्च गुणवत्ता युक्त ईंधन को प्रयोग मे लाते है ताकि प्रदूषण कम हो।

विकास :-
→ अभी भारत में सभी शहरों में भारत स्टेज - IV मानक लागू हैं।

→ अन्य स्थानों पर BS-III का प्रयोग हो रहा है।

→ भारत सन 2000 से इसको अपना रहा है

→ भारत ने BS-V को न अपनाकर सीधा BS-VI अपनाने का निर्णय लिया है।

BS-VI को लागू करने का महत्व :-

→ पर्यावरण - प्रदूषण से राहत मिलेगी वायु-गुणवत्ता बढ़ेगी।

→ श्वसन संबंधी बीमारियां कम होंगी। दिल्ली जैसे शहरों का 'लाइवेबल इंडेक्स' सुधरेगा।

→ वैश्विक मानकों के अनुरूप भारत की पर्यावरण प्रदूषण की अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करेगा।

→ यह उत्पादन के नई संभावनाएं व रोजगार को बढ़ाएगा।

क्रियान्वयन के चुनौतियां

→ वर्तमान वाहनों का उपयोग लगातार जारी रखना पड़ेगा क्यों कि नए वाहन खरीदना लोगों को महंगा पड़ेगा।

→ BS-VI मानक युक्त वाहन के ईंधन में बदलाव करना होगा।

→ वर्तमान ऑटो कम्पनियां वाहन निर्मित कम करेंगी क्यों कि 2020 के बाद उन्हें खरीदने वाले नहीं होंगे। इससे मंदी बढ़ेगी।

→ सामान्य जनता इन मानकों के बारे में अनभिज्ञ है। अतः जागरूकता बढ़ानी होगी

अतः इन चुनौतियों को हल करके BS-VI को योजनाबद्ध तरीके से लागू करना चाहिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. What are black holes? Highlight the challenges in imaging a black hole? How were these challenges overcome by the Event Horizon Telescope project? **(150 words) 10**

ब्लैक होल क्या हैं? ब्लैक होल के चित्रण (इमेजिंग) में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। इवेंट होराइज़न टेलीस्कोप प्रोजेक्ट द्वारा इन चुनौतियों को कैसे दूर किया गया?

ब्रह्माण्ड में उपस्थित वे पिण्ड जो अपनी अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण शक्ति के चलते हर किसी चीज को आकर्षित कर लेते है, ब्लैक होल कहलाते है।

→ सुपरनोवा के अगले विकास क्रम में इनका निर्माण होता है।

इमेजिंग में चुनौतियां

→ चूंकि यह प्रकाश किरणों को भी अवशोषित कर लेता है। इस कारण इससे कोई किरण निकल कैमरे तक नहीं पहुंच पाती है, फलतः चित्र नहीं लिया जा सकता है।

→ अत्यधिक गुरुत्वाकर्षण शक्ति के कारण सभी तरंगदैर्घ्य भी इसमें समाहित हो जाती है। अतः चित्रण मुश्किल है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

इवेंट होराईजन टेलीस्कोप प्रोजेक्ट :-

→ इवेंट होराईजन वह क्षेत्र है जो इसके काफी दूर पर होता है तथा इसके चारों ओर चक्कर लगाता है। अतः इस टेलीस्कोप में इस क्षेत्र का प्रतिबिम्ब प्राप्त करके ब्लैक-होल का चित्रण किया जाता है।

→ यह टेलीस्कोप इवेंट होराईजन क्षेत्र का रेखीय चित्रण प्राप्त कर पाता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. While mentioning the objectives of the Arms Trade Treaty (ATT), discuss the challenges which are hindering the utilization of the ATT to its full potential. **(150 words) 10**

शस्त्र व्यापार संधि (ATT) के उद्देश्यों का उल्लेख करते हुए, उन चुनौतियों की चर्चा कीजिए जो ATT को इसकी पूर्ण क्षमता से उपयोगित किये जाने में बाधक हैं।

शस्त्र व्यापार सन्धि वैश्विक तौर पर हथियारों के व्यापार के आधार- नियम बनाती है।

उद्देश्य

→ यह परमाणु हथियारों छोड़ शस्त्रों के व्यापार पर प्रतिबन्ध लगाती है।

→ परम्परागत हथियारों के व्यापार को आत्म रक्षा व शांतिपूर्ण प्रयोग हेतु नियंत्रित करती है।

→ इतर राष्ट्रों के साथ व्यापार को प्रतिबंधित करती है। उदा. - उत्तर कोरिया

→ ATT उपयुक्त बाजार तंत्र का निर्माण करती है तथा निरोधक के तौर पर हथियारों को महत्व प्रदान करती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

चुनौतियां

→ शक्तिशाली राष्ट्रों का मनमाना रवैया इसके क्रियान्वयन में बाधक है।

→ चीन जैसे राष्ट्र अपने राष्ट्रीय हितों के अनुरूप ही काम करेंगे। वे संधि को दरकिनार करेंगे।

→ PS सदस्य देशों में पारस्परिक तालमेल नहीं है।

→ इंडिया एक बड़ा बाजार है अतः आर्थिक नीति इन प्रावधानों को मानने से रोकेगा।

→ सभी के निहित स्वार्थ इसे पूरा होने में अड़चन करेंगे।

अतः विभिन्न चुनौतियां है जो इसके वास्तविक परिणाम प्राप्त करने से रोकेंगी।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Threats to internal security of India may be posed both through the communication networks and also to the networks. Discuss. Also, highlight the steps taken by the government in making the networks more secure. **(150 words) 10**

भारत की आंतरिक सुरक्षा को खतरा संचार नेटवर्कों के माध्यम से एवं स्वयं संचार नेटवर्कों को खतरा होने, दोनों ही प्रकार से हो सकता है। चर्चा कीजिए। साथ ही, नेटवर्कों को अधिक सुरक्षित बनाने हेतु सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डालिए।

वर्तमान में संचार नेटवर्क एवं इसके माध्यम से खतरा ज्यादा होता जा रहा है जो एक आसान व प्रभावी रास्ता है जहां से दुश्मन देश को क्षति पहुंचाई जा सकती है

संचार नेटवर्क के माध्यम से :

→ इसमे हैकिंग, स्नूपिंग, रैनसमवेयर, डाटा चोरी आदि शामिल है।

→ बैंकिंग तंत्र को हैक करना
उदा- बांग्लादेश (2016)

स्वयं संचार नेटवर्क पर :

→ रक्षा नेटवर्क पर हमला करके हैक करना।

→ दूरसंचार नेटवर्क में समस्या पैदा करके क्षेत्र विशेष के डिस्कनेक्ट करना आदि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ये दोनों ही रास्ते से इन्हें अपने देश मे बैठे-बैठे किए जा सकते है। इस कारण अपराधियों को पकड़ना मुश्किल है।

सरकार द्वारा उठाए गए कदम

→ आपातकालीन प्रतिक्रिया हेतु CERT-In का गठन किया है तथा वित्तीय हमलो हेतु CERT-fin का गठन किया है।

→ 2014 मे राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा समन्वय केंद्र का गठन किया है।

→ दूरसंचार को 'नेशनल क्रिटिकल इन्फ्रास्ट्रक्चर' के रूप माना गया है।

→ रक्षा क्षेत्र का पृथक संचार नेटवर्क है।

→ NTRO (राष्ट्रीय तकनीकी अनुसंधान संस्थान) की स्थापना की गई है।

→ साइबर सुरक्षा नीति -2008, साइबर सुरक्षा नीति 2013 को बनाया है

अतः विविध सरकारी उपाय व सतर्कता इन हमलो से बचा सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. Highlight the importance and challenges related to integration of Variable Renewable Energy (VRE) in India. Mention some steps that can be taken for its smooth integration with the synchronized Indian grid. **(250 words) 15**

भारत में परिवर्तनीय नवीकरणीय ऊर्जा (VRE) के एकीकरण के महत्व और इससे संबंधित चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। ऐसे कुछ कदमों का उल्लेख कीजिए जो समक्रमिक (सिंक्रनाइज्ड) भारतीय ग्रिड के साथ इसके सहज एकीकरण के लिए उठाए जा सकते हैं।

भारत में परिवर्तनीय नवीकरणीय ऊर्जा (VRE) का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। यह पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा है।

<u>एकीकरण का महत्व</u>

→ इससे तापीय ऊर्जा संयंत्रों पर भार कम होगा तथा इस नवीकरणीय ऊर्जा की पहुंच सभी क्षेत्रों तक होगी।

→ VRE का उचित मूल्य प्राप्त होगा। यह पर्यावरण अनुकूल ऊर्जा होने से मांग ज्यादा होगी

→ भारत की वैश्विक प्रतिबद्धताओं (INDC) को पूरा करेगी।

→ इससे सभी नवीकरणीय ऊर्जा के लिए सामूहिक नीति निर्माण, क्रियान्वयन, विचार-विमर्श संभव होगा।)

चुनौतियां :-

→ VRE का निर्माण अभी भी वृहद स्तर पर नहीं है। यह आवश्यक मांग का एक-चौथाई ही पूरा करती है।

→ तकनीकी स्तर पर उच्च लागत वाले उपकरण मुख्यतः आयात किए जा रहे हैं (चीन से)

→ यह ऊर्जा विभिन्न क्षेत्रों यथा-पवन, सौर, ज्वारीय, भूतापीय आदि में बिखरी हुई है तथा भौगोलिक अंतराल ज्यादा है। इस कारण एकीकरण कठिन है।

→ अभी पृथक ग्रिड निर्माण करना ज्यादा खर्चीला होगा।

→ निवेश अभी भी इस क्षेत्र में कम है।

→ ताप-ऊर्जा तुलनात्मक रूप से सस्ती है। इस कारण इतना महंगा होगा कौन उपभोग की तरफ बढ़ेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समन्वित भारतीय ग्रिड के साथ एकीकरण

→ सर्वप्रथम क्षेत्रीय ग्रिड के साथ संयोजित किया जाए। उदा: - तटीय क्षेत्रों की पवन ऊर्जा का दक्षिणी ग्रिड के साथ संयोजन।

→ स्थानीय स्तर पर एकीकरण होने पर इसे राष्ट्रीय ग्रिड से संयोजित करके एक ~~स्थान~~ स्थान से दूसरे स्थान पर परिवहित किया जा सकता है।

→ जहां गैर-नवीकरणीय ऊर्जा की आपूर्ति कम है। वहां इसे पहुंचाया जाए।

अतः राष्ट्रीय ग्रिड से संयोजित करके इसका व्यापक स्तर पर लाभ उठाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. There have been arguments that India could fall into a 'middle income trap'. Explaining the phenomenon, highlight the reasons behind such arguments. How can India avoid it? **(250 words) 15**

ऐसे तर्क दिए गए हैं कि भारत 'मध्यम आय पाश' में फंस सकता है। इस परिघटना की व्याख्या करते हुए, ऐसे तर्कों के लिए उत्तरदायी कारणों पर प्रकाश डालिए। भारत इससे किस प्रकार बच सकता है?

मध्यम आय पाश मे 1997 में एशिया के कई देश फंसे थे। भारत मे भी इस तरह की संभावना जताई जा रही है।

मध्यम-आय पाश परिघटना :—

→ जब देश के अत्यधिक जनसंख्या लाभांश होता है
→ वहां समुचित रोजगार उपलब्ध नहीं है
→ लोग मध्यम-आय वर्ग से उच्च आय वर्ग स्तर पर स्थानांतरित नहीं हो पाते है
→ इससे मांग कम होती जाएगी
→ मंदी की दशा उत्पन्न होगी

भारत के लिए उत्तरदायी कारण

→ भारत में रोजगार की कमी, जनसंख्या का दबाव, विकासशील अवस्था आदि कारण है जो ऐसी स्थिति उत्पन्न कर सकते है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ सरकारी प्रयास उच्च स्तरीय मांग उत्पन्न नहीं कर पा रहे है। मध्यम वर्ग ज्यादा है जो अपने आप को उच्च आय वर्ग मे स्थापित नहीं कर पाया है।

→ भारत में जनसांख्यिकीय लाभांश अनुकूल अवस्था मे है जो 2041 तक रहेगा। परन्तु कुशलता व रोजगार का पर्याप्त नही होना इसे निर्जीस्थिति मे ले जा सकता है।

→ उद्योगो मे मांग लगातार नही बढ पा रही है। इस कारण मंदी जैसी स्थिति आ सकती है।

→ निवेश कम है। बाहरी अंर्तप्रवाह भी धीरे-धीरे कम हो रहा है।

→ विकास दर मे गिरावट है। वहीं विकसित देशों की अनुकूल नीतियां भी प्रभावित करती है।

ये सब स्थितियां भारत को इस जाल मे फंसा सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बचने के उपाय :-

→ निजी व सार्वजनिक बनाना होगा।

→ 'मेक-इन-इंडिया' व 'स्किल-इंडिया' को सशक्त बनाना होगा।

→ आर्थिक विकास दर बढ़ाने हेतु सरकार व RBI को हस्तक्षेप करने होंगे।

→ श्रम नियमों मे सरलता, अनुकूल कर संरचना आदि आवश्यक है।

→ विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान देना होगा।

→ वैश्विक स्तर पर सहयोग से FDI व FPI बढ़ाई जानी चाहिए।

→ घरेलू मांग उत्पन्न करनी होगी।

अतः सभी क्रियाओं के प्रयास करके भारत इस स्थिति से ~~बाहर आ कर~~ इससे से बच सकता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Highlighting its importance, discuss the major issues that plague effective monetary policy transmission in India. Also, mention the steps taken by RBI to improve it. **(250 words) 15**

भारत में मौद्रिक नीति संचरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, उन प्रमुख मुद्दों पर चर्चा कीजिए जो इसकी प्रभाविता को बाधित करते हैं। साथ ही, इसमें सुधार के लिए RBI द्वारा उठाए गए कदमों का उल्लेख कीजिए।

मौद्रिक नीति संचरण से तात्पर्य है कि RBI द्वारा किए गए नीतिगत परिवर्तनों का प्रभाव सामान्य जनता तक पहुँचे। उदा - रेपो दर घटने पर ब्याज दर में कमी।

मौद्रिक नीति संचरण का महत्व :-

→ इससे RBI के नीतिगत निर्णयों का प्रभाव अर्थव्यवस्था तक त्वरित पहुँचता है।

→ RBI की नीति-निर्देशन व विनियामकीय शक्ति का प्रभावी परिणाम सामने आता है।

→ जनता को भी 'ईज नीति' में राहत मिलती है।

→ प्रभावी निर्णय-प्रक्रिया संभव हो पाती है

बाधित करने वाले कारक

→ बैंक इसे आसानी से ग्राहकों तक स्थानांतरित नहीं करते है।
उदा: जब RBI रेपो रेट बढाता है तब तो तुरंत ब्याज दर बढा देते है परन्तु कम करने पर बैंक कम नहीं करते है।

→ बैंकों का बढता NPA उन्हे ऐसे अवसर का लाभ उठाने हेतु प्रेरित करता है।

→ बैंको का लक्ष्य लाभ प्राप्त करना है। अतः वे लाभ के लिए 3-4 माह बाद नीति का प्रभाव ग्राहकों तक संचरित करते है।

→ भारत में ज्यादातर वित्तीय क्षेत्र बैंकों से जुड़ा है। अतः बैंक ही मौद्रिक नीति संचरण का प्रभावी रास्ता है।

→ RBI द्वारा कोई दण्डात्मक कार्यवाही न होने से पालना ठीक से नहीं होती है।

→ बैंकों की ब्याज दर, रेपो दर से प्रत्यक्षतः नहीं जुडी है।

RBI द्वारा उठाए गए कदम :

→ RBI MCLR को अपना रहा है। बैंको को ब्याज दर रेपो दर से सम्बन्धित करनी है।

→ पालना नहीं करने पर जुर्माने की कार्रवाई का प्रावधान है।

→ RBI द्वारा समय-समय पर निगरानी रखते हुए एक रेंज प्रदान की जाएगी ताकि बैंक उस सीमा में लाभ जनता तक पहुँचाए

. इस तरह RBI नीतिगत व कार्रवाई के माध्यम से इसे प्रभावी बना रहा है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Highlight the constraints faced by rainfed agriculture in India. Discuss some agronomic practices that can be adopted for stabilizing agricultural production in rainfed areas. **(250 words) 15**

भारत में वर्षा सिंचित कृषि में आने वाली बाधाओं पर प्रकाश डालिए। वर्षा सिंचित क्षेत्रों में कृषि उत्पादन को स्थायित्व प्रदान करने हेतु अपनाई जा सकने वाली कुछ कृषि-वैज्ञानिक पद्धतियों की चर्चा कीजिए।

भारत मे सकल कृषि क्षेत्र का 50% से ज्यादा क्षेत्र वर्षा सिंचित है। यह विविध समस्याओं से जुझ रहा है।

बाधाएं :-

→ सरकार की नीतियां मुख्यतः सिञ्चित क्षेत्र आधारित होती है तथा उन्हे सभी क्षेत्रो पर एक समान रूप से लागु किया जाता है।

→ ये क्षेत्र शुष्क व अर्द्धशुष्क क्षेत्रो में पाए जाते है जहां सिंचाई कम है। अतः इसमे उत्पादन कम है।

→ इन क्षेत्रो में मुख्यतः दालो का उत्पादन होता है जिनके न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) का प्रावधान नही है।

→ बाजार तक पहुंच का अभाव, परंपरागत

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

कृषि पद्धतियां, मूल्य वर्धन नहीं, पर्याप्त प्रसंस्करण सुविधाओं की कमी आदि कारक है जो बाधक है।

कृषि उत्पादन हेतु कृषि-वैज्ञानिक पद्धतियां

⇒ मोटे अनाजों की खेती करनी चाहिए।

⇒ कम सिंचाई की आवश्यकता वाले बीजों का प्रयोग हो।

⇒ रतनजोत जैसे खेती करके ज्यादा लाभ कमाया जा सकता है (जैव-ईंधन)

⇒ खेती को परती करके वर्षाजल की नमी को संचित किया जा सकता है।

⇒ मल्चिंग (mulching) से भी वर्षा नमी संरक्षित हो सकती है

⇒ अवनालिका अपरदन को कम करने हेतु खेत में जुताई करना ताकि नमी बनी रहे

⇒ सीढ़ीदार कृषि, कंटोर प्लाविंग से मृदा अपरदन कम करके कृषि की जा सकती

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ कृषि के साथ पशुपालन करके उनके गोबर को खाद के रूप मे प्रयुक्त करना।

→ फसल बीमा को अपनाना ताकि विपत्ति स्थिति मे राहत प्राप्त हो सके।

अतः विविध उपायों व कृषि- वैज्ञानिक पद्धति से उत्पादन स्थिर रखा जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. Despite the steps taken by the government in recent years, a number of problems continue to persist in the urea sector in India. Discuss. What reforms should be taken to address the persisting problems?

(250 words) 15

हाल के वर्षों में सरकार द्वारा उठाए गए कदमों के बावजूद, भारत में यूरिया क्षेत्र में कई समस्याएं निरंतर बनी हुई हैं। चर्चा कीजिए। मौजूदा समस्याओं के समाधान हेतु क्या सुधार किए जाने चाहिए?

यूरिया मे नाइट्रोजन की उपस्थिति के कारण यह कृषि के लिए आवश्यक रासायनिक उर्वरक है ताकि उत्पादन बढाया जा सके।

यूरिया क्षेत्र की समस्याएं

→ यूरिया उत्पादन, मांग की तुलना में कम है।

→ इसकी तस्करी बांग्लादेश व नेपाल तक होती है

→ इसका पर सरकार सब्सिडी देती है जो सहकारी संस्थाओं के माध्यम से किसानों को प्राप्त होती है परन्तु वहां भ्रष्टाचार ज्यादा है।

→ यूरिया के प्रयोग से भूमि प्रदूषण लगातार बढ रहा है कई जगह ऊ-पत्र के यूरिया का प्रभाव है। वहीं भूमि में भी यूरिया पर निर्भरता बढती जा रही है।

→ नीम-कोटेड यूरिया हर जगह नहीं है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समाधान

→ यूरिया के लिए सब्सिडी DBT (प्रत्यक्ष-लाभ हस्तांतरण) से प्राप्त हो तथा बाजार दर पर यह किसानों को मिले। इससे भ्रष्टाचार व तस्करी पर रोक लगेगी।

→ कृषि से इतर इसका उपयोग रोकने हेतु नीम-कोटेड यूरिया अनिवार्य हो।

→ यूरिया का नियंत्रित उपयोग हो। मृदा-स्वास्थ्य-कार्ड के अनुसार इसका उपयोग किया जाए।

→ यूरिया उत्पादन इकाईयों का विकेन्द्रीकरण हो।

→ फसल की आवश्यकता से पहले उपलब्धता सुनिश्चित हो।

→ सरकार व उत्पादक कंपनियों के बीच तालमेल हो ताकि प्रभावी वितरण सुनिश्चित हो सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः इन उपायों से निरोधात्मक व उपचारात्मक दोनों उपायों से चूड़िया क्षेत्र की समस्या को हल किया जा सकता है।

16. What is Access and Benefit Sharing? Explain how it aids in sustainable use of biodiversity. Also, mention the different global and national level mechanisms for ensuring Access and Benefit Sharing. **(250 words) 15**

पहुंच और लाभ साझाकरण (एक्सेस एंड बेनिफिट शेयरिंग) क्या है? यह जैव विविधता के संधारणीय उपयोग में किस प्रकार सहायक है, स्पष्ट कीजिए। साथ ही, पहुंच और लाभ साझाकरण सुनिश्चित करने हेतु वैश्विक और राष्ट्रीय स्तर की विभिन्न प्रणालियों का उल्लेख कीजिए।

पंहुच और लाभ साझाकरण (ABS) से तात्पर्य है कि जैविक उत्पादों के प्रयोग से निर्मित उत्पादों के लाभों का हिस्सा स्थानीय निवासियों तक जाना चाहिए अर्थात, कंपनियां यदि वन या वन्य उत्पादों का सहारा लेकर आर्थिक लाभ प्राप्त करती है। वहां के वनवासी भी इससे लाभान्वित हो।

जैव विविधता के संधारणीय उपयोग मे सहायक

→ जैव विविधता को संरक्षण मिलेगा क्योंकि स्थानीय स्तर पर लाभ प्राप्त होने से लोग उन जीवों या पौधों को संरक्षित रखेंगे।

→ यह उत्पादों का प्रयोग सिर्फ लाभ के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लिए करने से रोकेगा तथा नैतिक दायित्व आरोपित करते हुए कंपनी को पाबंद करेगा कि लाभ पर्यावरण संरक्षणकर्ताओं को भी मिले।

→ स्थानीय निवासी उचित लाभ प्राप्त करके संरक्षण हेतु ज्यादा प्रेरित होंगे।

→ अंधाधुंध दोहन को रोका जा सकेगा।

→ निगरानी सतत बनी रहेगी।

<u>वैश्विक स्तर पर प्रगतियां</u>

→ '<u>कार्टाजेना प्रोटोकॉल ऑफ बायोसेफ्टी</u>' इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम है जो जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा देता है।

→ <u>बायो-डायवर्सिटी पर कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज</u> (COP) का <u>नियमित</u> आयोजन इस दिशा में नीति-निर्माण हेतु आवश्यक मंच है।

→ IUCN भी इस दिशा में सकारात्मक कार्य कर रहा है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

राष्ट्रीय स्तर पर :-

→ वन क्षति प्रतिपूरक कोष (CAMPA) का निर्माण स्थानीय नागरिकों को लाभ पहुंचाता है

→ राष्ट्रीय जैव विविधता संरक्षण अधिनियम-2002 महत्वपूर्ण है।

→ वन्यजीव संरक्षण बोर्ड भी प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में कार्यवाही करता है

→ विभिन्न NGOs भी इस दिशा में कार्यरत है उदा - ग्रीनपीस

अतः राष्ट्रीय व वैश्विक दोनो स्तर पर प्रयास जारी है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Stating the significance, discuss the challenges in achieving disaster resilience of infrastructure. Suggest some ways for mainstreaming it in the development paradigm. **(250 words) 15**

अवसंरचनाओं का आपदाओं के प्रति सुनम्य (रेजिलिएंट) होने के महत्व को स्पष्ट करते हुए, इससे संबंधित चुनौतियों की चर्चा कीजिए। इसे विकास प्रतिमान की मुख्यधारा में लाने हेतु कुछ उपाय सुझाइये।

अवसंरचनाएं आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त हो जाती है परिणामतः अपार जन-धन की हानि होती है।

सुनम्य होने का महत्व

→ आपदा का प्रभाव कम विनाशकारी होता है। जन-धन की हानि कम होती है।

→ अवसंरचना को कम नुकसान पहुंचता है।

→ आर्थिक लागत कम आती है पुनर्निर्माण की।

→ इसके बिना किसी भय के संचालित कार्य कर सकता है।

→ सुरक्षा के प्रति आश्वस्त हुआ जा सकता है

चुनौतियां

→ इसके लिए विभिन्न आपदाओं

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के संदर्भ में भिन्न-भिन्न अधोसंरचना आवश्यक है जैसे - भूकंप, आग लगना, बाढ़ आदि अत: समन्वय करके एक अधोसंरचना का निर्माण चुनौतीपूर्ण है।

→ उच्च तकनीकी की आवश्यकता है जो भारत में उपलब्ध होना मुश्किल है।
उदा० - जापान की भूकंप के तकनीकी अधोसंरचना।

→ लागत ज्यादा है, अत: सामान्य आदमी इस तकनीक को नहीं अपना सकता है।

→ क्षेत्रीय विविधताओं के कारण आपदाएँ भी अलग-अलग है। अत: नीति-निर्माण भी राज्य सरकारों के समन्वय से होना है।

विकास प्रतिमान में लाने हेतु उपाय

→ भवन-निर्माण संहिता बनाकर इसकी अनुपालना सुनिश्चित की जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ इस संहिता में आपदा के अनुसार प्रतिमानों का निर्धारण हो।

→ वैश्विक सहयोग लेकर तकनीकी प्राप्त की जाए। उदा - जापान से भूकंपरोधी।
- अमेरिका से तूफान रोधी।

→ जनता को जागरूक किया जाए ताकि वो स्वयं इन्हें अपनाए।

→ सरकार तकनीकी व आर्थिक प्रोत्साहन दे सकती है।

→ राज्य सरकारों, स्थानीय निकायों का साथ लेकर केंद्र सरकार एक 'मॉडल कोड' बनाए।

अतः विभिन्न उपायों से इस आधारसंरचना निर्माण को शासित किया जा सकता है।

18. Highlighting the significance of data localization for India, discuss various challenges associated with data localization. **(250 words) 15**

भारत के लिए डेटा के स्थानीयकरण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डेटा के स्थानीयकरण से जुड़ी विभिन्न चुनौतियों की चर्चा कीजिए।

डेटा के स्थानीयकरण से तात्पर्य है कि डेटा जहां उत्पन्न होता है, उसका भंडारण भी उसी देश में किया जाए।

RBI ने भुगतान के लिए डेटा स्थानीयकरण पर बल दिया है।

महत्व

→ डेटा की सुरक्षा व नियंत्रण आसानी से स्थापित हो सकता है।

→ डेटा विदेशों में संरक्षित होने से कानूनी पेचिदगियां आती है।

→ बी. एन. कृष्णा समिति ने भी डेटा स्थानीयकरण पर बल दिया है

→ डेटा चूंकि निजी व गोपनीय जानकारी रखता है अतः इसके देश के भंडारण सुरक्षा से समझौता है

→ विदेशों में डेटा दुरुपयोग के मामले सामने आए हैं।
उदा- फेसबुक द्वारा कैंब्रिज एनालिटिका को डेटा देकर चुनाव में इस्तेमाल।

स्थानीयकरण से जुड़ी चुनौतियां

→ वैश्विक डाइमेंशन के बढ़ते मामलों से सभी डेटा का स्थानीयकरण करना कठिन है।

→ कंपनियों को मेजबान देश में सर्वर स्थापित करना पड़ेगा। उनकी लागत ज्यादा आएगी।

→ यह 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' के विपरीत होगा।

→ विदेशी स्टार्ट-अप्स द्वारा निवेश न प्रतिकूल होगा।

→ भारत को वित्तीय मामलों में अलग कर सकता है।

→ सरकार की डेटा तक पहुँच बढ़ेगी। इससे पुनः निजता सम्बन्धी मामले उठेंगे।

→ चूंकि डेटा ज्यादातर 'एनक्रिप्टेड' होता है। इस कारण कंपनियां सरकार के साथ शेयर नहीं कर सकती। फलतः स्थानीयकरण का कोई लाभ नहीं होगा।

→ कंपनी अन्य देशों में अपना निवेश स्थापित कर सकती है

अतः विभिन्न चुनौतियां इसके स्थानीयकरण में बाधक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. Money Laundering as a socio economic offence is a menace especially for developing countries like India. Comment. What measures have been taken at the domestic and international levels to deal with this menace?

(250 words) 15

एक सामाजिक आर्थिक अपराध के रूप में धन शोधन विशेषकर भारत जैसे विकासशील देशों के लिए एक खतरा है। टिप्पणी कीजिए। इस खतरे से निपटने हेतु घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्या उपाय किए गए हैं?

धन शोधन के अंतर्गत अवैध रूप से धन का स्थानांतरण दूसरे देशों मे होता है। यह एक सामाजिक आर्थिक अपराध है।

सामाजिक अपराध

→ देश का धन बाहर जा रहा है जो समाज के कल्याण के लिए प्रयुक्त हो सकता था

→ गरीब-अमीर का अंतर बढ़ रहा है

→ सामाजिक सुरक्षा योजनाए प्रतिकूल रूप से प्रभावित होती है

→ आतंकवादी इसका प्रयोग कर सकते है

आर्थिक अपराध

– समानांतर अर्थव्यवस्था को जन्म देता है

→ काला धन है। कर अपवंचन किया गया है

→ अवैध रूप से धन का स्थानांतरण हुआ है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः एक सामाजिक-आर्थिक अपराध है

घरेलू स्तर पर उपाय

→ धन-शोधन रोकथाम अधिनियम (PMLA) को लाया गया है तथा कठोर प्रावधान किए गए हैं।

→ पैन-कार्ड को आधार-कार्ड से लिंक किया गया है।

→ 50,000 ₹ से ऊपर के ट्रांजेक्शन बैंक के माध्यम से या ऑनलाइन किए जाते हैं

→ चुनावी बॉन्ड लाकर राजनीति में उपयोग को रोका गया है।

→ सरकार व RBI दोनों इस दिशा में विभिन्न एजेंसियों से डेटा जुटाकर डेटा एनालिटिक्स करती है।

अतः ये घरेलू उपाय हवाला, धन शोधन आदि पर रोक लगाएंगी

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उपाय

→ धन की राउण्ड ट्रिपिंग रोकने हेतु विश्व के अन्य देशों के साथ सहयोग व सूचना साझाकरण।

⇒ दोहरा कराधान परिहार समझौता (DTAA) में संशोधन करके मॉरीशस व सिंगापुर के साथ नया समझौता।

⇒ इंटरपोल व अन्य संस्थाओं से सूचना प्राप्ति।

⇒ G-20 देशों के साथ धनिष्ठ सहयोग।

⇒ द्विपक्षीय समझौतों के माध्यम से सूचनाएं प्राप्त करना

अतः ये विभिन्न उपाय इसे रोकने में कारगर साबित होंगे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. The primary motive of terrorism differs from that of organised crime but there exists a symbiotic relationship between the two. Discuss.

(250 words) 15

आतंकवाद का प्राथमिक उद्देश्य संगठित अपराध के उद्देश्य से भिन्न होता है, किन्तु दोनों के मध्य एक सहजीवी संबंध पाया जाता है। चर्चा कीजिए।

संगठित अपराध में धन को कमाना मुख्यत: उद्देश्य होता है — मादक पदार्थों की तस्करी।

आतंकवाद का मुख्य उद्देश्य — सरकार व राज्य की संप्रभुता को चुनौती देना।

→ आतंकवादी अपनी सत्ता की स्थापना चाहते है अथवा इनके देशो मे निहित स्वार्थों की पूर्ति हेतु घटना को अंजाम देते है।
उदा - ISIS सत्ता प्राप्ति
तालिबान सत्ता प्राप्ति
भारत मे अलकायदा, जैश-ए-मोहम्मद अशांति चाहते है

→ संगठित अपराध में राज्य को चुनौती

नही देते बल्कि चोरी छिपे धन से अपने मे संलग्न रहते है।

सहजीवी सम्बन्ध

→ आतंकवादियों को अपने उद्देश्यों के लिए धन की जरूरत होती है। यह धन मुख्यतः संगठित अपराध के माध्यम से ही आता है।
अतः संगठित अपराध, आतंकवाद का पोषण करता है।

→ संगठित अपराध में अवैध तरीकों से देश को नुकसान भी पहुँचाया जाता है जैसे – नशे का कारोबार स्मगलिंग
– हथियारों की तस्करी
इससे आतंकवादी एक तरफ पैसा प्राप्त करते है वहीं दूसरी ओर देश को।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

धीरे-धीरे नुकसान भी पहुँचा रहे है।

→ जाली मुद्रा का प्रचलन करके पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी संगठित अपराध कर रहे है तथा अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाने का प्रयास करते है

अतः दोनो के मध्य सहजीवी संबंध पाया जाता है।